सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 324 | इंदौर, गुरुवार 11 जून, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

बहुमंजिला बिल्डिंगों में अग्नि सुरक्षा और रेन वाटर हार्वेस्टिंग होगा चेक

नगर निगम का विशेष अभियान शुरू

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में आवासीय और गैर आवासीय जी+3 या उससे ज्यादा ऊंचाई वाले सभी शासकीय और अशासकीय बिल्डिंगों और बहुमंजिला परिसरों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था और रेन वाटर हार्वेस्टिंग संबंधी नियमों का पालन हुआ है या नहीं ये देखने के लिए विशेष निरीक्षण व सत्यापन अभियान शुरू किया गया है। नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने नगर निगम के सभी उपयंत्रियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने इलाके में दौरा कर जी+3 और उससे ज्यादा ऊंचाई वाले सभी बिल्डिंग एवं संचालित बिल्डिंगों का चिन्हांकन करें और अग्नि सुरक्षा और रेन वाटर हार्वेस्टिंग संबंधी व्यवस्था को चेक करें। निगम कमिश्नर ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण और बहुमंजिला बिल्डिंगों की संख्या को देखते हुए आग लगने की घटनाओं की रोकथाम और जल संरक्षण दोनों ही विषय काफी महत्वपूर्ण हैं। बिल्डिंगों में स्थापित सुरक्षा व्यवस्थाओं का नियमित परीक्षण और रखरखाव लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। निरीक्षण के दौरान निगम के अदिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि संबंधित भवनों में निर्धारित मानकों के अनुरूप फायर सेफ्टी सिस्टम स्थापित एवं क्रियाशील है या नहीं। इसके अंतर्गत अग्निशमन यंत्र, फायर अलार्म सिस्टम, हाइड्रेंड व्यवस्था, आपातकालीन निकास मार्ग और अन्य आवश्यक सुरक्षा प्रावधानों की उपलब्धता एवं संचालन क्षमता का परीक्षण किया जाएगा। निगम कमिश्नर ने निर्देश दिए है कि सभी उपयंत्री निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार भवनों का निरीक्षण कर फायर सेफ्टी और रेन वाटर हार्वेस्टिंग का सत्यापन करें और भवनवार विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें। निरीक्षण के दौरान जिन बिल्डिंगों में आवश्यक व्यवस्थाएं स्थापित नहीं पाई जाएंगी या उनका रखरखाव संतोषजनक नहीं होगा, उन बिल्डिंग स्वामियों को आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने और निर्धारित समयावधि में व्यवस्थाएं स्थापित करने के लिए सूचित किया जाएगा।

आज नीति आयोग की बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी) आज नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (NITI) आयोग की बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। दिल्ली में राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में नीति आयोग की बैठक का विषय- '2047 तक विकसित भारत के लिए समावेशी मानव विकास' रखा गया है। इस बैठक में राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों समेत उपराज्यपाल भी अपने विचार रखेंगे। इस उच्चस्तरीय बैठक में समावेशी मानव विकास के ढांचे पर चर्चा होगी।

नई तबादला नीति जारी...

गृहग्राम और ससुराल में नहीं रह सकेंगे पंचायत सचिव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी।तबादला सीजन के बीच पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने पंचायत सचिवों के स्थानांतरण को लेकर नई गाइडलाइन जारी कर दी है। नई नीति के तहत अब कोई भी पंचायत सचिव अपने गृहग्राम या ससुराल की पंचायत में पदस्थ नहीं रह सकेगा। इसके साथ ही जिस पंचायत में सचिव के रिश्तेदार सरपंच या उपसरपंच बन जाएंगे, वहां से भी सचिव का तबादला किया जाएगा।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के आधार पर यह नई गाइडलाइन जारी की है। विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि तय समय सीमा के भीतर स्थानांतरण प्रक्रिया पूरी कराई जाए। बता दें कि मध्य प्रदेश में 23 हजार से ज्यादा पंचायत सचिव हैं। 9 जून को जारी आदेश के अनुसार 15 जून तक जिले के भीतर पंचायत सचिवों के स्थानांतरण किए जा सकेंगे। स्थानांतरण प्रस्ताव जिला कलेक्टर की अनुशंसा और प्रभारी मंत्री की स्वीकृति के बाद जारी किए जाएंगे। यह प्रक्रिया एक जून से ही मान्य की जाएगी।

विभागीय निर्देशों के मुताबिक स्थानांतरण आदेश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा जारी किए जाएंगे। नई गाइडलाइन में जिला एवं अंतरजिला स्तर पर पंचायत सचिवों के स्थानांतरण की प्रक्रिया भी तय की गई है। दिग्विजय सरकार ने वर्ष 1994 से 1996 के बीच पंचायत कर्मियों की नियुक्ति की थी, जो आज पंचायत सचिव हैं। तब नियुक्ति ग्राम सभा के अनुमोदन से की गई थी और ज्यादातर मामलों में ग्राम सभा ने सरपंच, उप सरपंच, पंच या गांव के प्रभावशाली व्यक्ति के रिश्तेदारों को नियुक्त किया था। ज्यादातर मामलों में देखने में आया है कि ये जनप्रतिनिधि रिश्तेदारी या अहसान के बदले सचिवों को वह सब करने के लिए राजी कर लेते हैं, जो वे चाहते हैं। ऐसे कई मामले जांच में आ चुके हैं। जिनमें सरपंच, उप सरपंच और सचिव ने मिलकर गड़बड़ी की है। इसलिए सरकार को तबादला नीति में यह शर्तें जोड़नी पड़ीं।

पीएम मोदी ने रचा इतिहास, इंदौर में फूटे पटाखे, बंटी मिठाइयां

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। नरेंद्र मोदी देश के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। उनके इस ऐतिहासिक कार्यकाल के आज 4399 दिन पूरे हो गए हैं। इस विशेष उपलब्धि के साथ ही उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार 26 मई 2014 को देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी और वर्तमान में उनका यह तीसरा कार्यकाल चल रहा है।

इस ऐतिहासिक अवसर और एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूरे होने की खुशी में देश के साथ-साथ इंदौर शहर में भी विभिन्न स्थानों पर भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस विशेष उपलब्धि के उपलक्ष्य में इंदौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर में एक भव्य पूजा और आरती का आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और क्षेत्रीय विधायक रमेश मेंदोला विशेष रूप से शामिल हुए। उनके साथ ही इंदौर के सांसद शंकर लालवानी और भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा समेत भारी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की और देश की समृद्धि की कामना की। इस दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने उपस्थित जनसमुदाय और कार्यकर्ताओं को भाजपा सरकार द्वारा पिछले वर्षों में किए गए विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं को भविष्य में पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनता के बीच सक्रिय रहने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उत्सव का यह सिलसिला शहर के अन्य हिस्सों में भी देखने को मिला। इंदौर के विजय नगर क्षेत्र में स्थित बावड़ी वाले हनुमान मंदिर में स्थानीय पार्षद सीमा संजय चौधरी के नेतृत्व में एक भव्य आरती और प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कीम नंबर 78 में स्थित इस मंदिर परिसर में जुटे भाजपा कार्यकर्ताओं ने सरकार की उपलब्धियों पर अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए और आने वाले समय के लिए संगठनात्मक रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा शहर के विभिन्न चौराहों और प्रमुख स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहगीरों को मिठाइयां बांटकर और आतिशबाजी करके इस ऐतिहासिक दिन का जश्न पूरे उत्साह के साथ मनाया।

ब्रिक्स कृषि सम्मेलन में आए विदेशी मेहमानों ने होलकर राज में कम्पोस्ट विधि से तैयार ऑर्गेनिक खेती के बारे में जाना

ऐतिहासिक धरोहर राजवाड़ा की नक्काशी, सुन्दरता और भव्यता को देखकर मंत्रमुग्ध हुए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

शहर में 9 जून से 13 जून तक आयोजित ब्रिक्स देशों के महत्वपूर्ण कृषि सम्मेलन में सहभागिता कर रहे विदेशी मेहमानों ने बुधवार सुबह होलकरकालीन ऐतिहासिक धरोहर राजवाड़ा का भ्रमण कर कई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। साथ ही होलकर राज की कृषि पद्धति और शासन व्यवस्था के बारे में जाना। राज्य शासन द्वारा विदेशी मेहमानों का स्वागत मालवी परंपराओं के साथ पुष्पवर्षा कर और अंगवस्त्र पहनाकर किया गया।

इथोपिया, ब्राजील, साउथ अफ्रीका, इंडोनेशिया आदि देशों से आए विदेशी मेहमान बुधवार सुबह शहर का गौरव कहे जाने वाले प्राचीन इमारत राजवाड़ा पहुँचे। सभी मेहमानों का स्वागत पदाधिकारियों द्वारा किया गया। विदेशी मेहमानों ने होलकरकालीन ऐतिहासिक धरोहर राजवाड़ा के गणेश हॉल, दरबार हाल सहित विभिन्न कक्षों का अवलोकन किया और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। प्राचीन इमारत राजवाड़े की निर्माण शैली और उसकी भव्यता को देखकर मंत्रमुग्ध हुए। इतिहासकार जफ़र अंसारी, श्रीमती शर्वाणी जोशी सहित सुश्री संघमित्रा पिपलोदा

द्वारा विदेशी मेहमानों को बताया गया कि होलकर राज में कृषि की उत्तम व्यवस्था थी। यहाँ पर कम्पोस्ट विधि के द्वारा जैविक खेती की जाती थी, जिसमें कृषि अवशेष, जैविक कचरा, गोबर और राख आदि से जैविक खाद बनाई जाती थी। इसका उल्लेख ब्रिटिश सरकार में कैम्ब्रिज में पढ़े सर अल्बर्ट हावर्ड ने अपनी पुस्तकों में किया। उन्होंने इंदौर में रहकर होलकर कालीन कृषि व्यवस्था को करीब से देखा और जाना। इतिहासकार द्वारा विदेशी मेहमानों को विभिन्न दस्तावेज एवं वस्तुओं द्वारा बताया गया कि होलकर राज में जनगणना कैसे होती थी। उस समय राजा-महाराजा और दरबारियों की क्या पोशाक होती थी। जब राजा दरबार में आते थे, तो कर्मचारियों द्वारा किस तरह से उसकी घोषणा की जाती थी। विदेशी मेहमानों को पुण्यश्लोका और कुशल प्रशासिका देवी अहिल्याबाई होलकर काल में कौन-कौन से कल्याणकारी और सामाजिक कार्य हुए, इसके बारे में विस्तार से जानकारी भी दी गई। महेश्वर में निर्मित महेश्वरी साड़ियों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

इतिहासकारों के मुताबिक करीब पौने तीन सौ वर्ष पूर्व में मल्हारराव होलकर ने इंदौर के ऐतिहासिक एवं भव्य राजवाड़े का निर्माण किया था। यह उस समय की सबसे पहली और बड़ी इमारत थी। इस सात मंजिला इमारत को महल कच्चहरी और महल वाड़ा भी कहा जाता था। यह पर दरबार भी लगता था। विदेशी मेहमानों को बताया कि इंदौर का नाम यहाँ पर स्थित प्राचीन मंदिर इन्द्रेश्वर के नाम पर पड़ा। इस शहर को पहले इंदूर और बाद में इंदौर नाम चलन में आया। विदेशी मेहमानों ने राजवाड़े में मालवी व्यंजनों का लुफ्त उठाया। उन्होंने राजवाड़े की दीर्घाओं और मुख्यद्वार पर सामूहिक चित्र खिचाएं। इस मौके पर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्थ जैन सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जिले में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

25 करोड़ रुपए मूल्य की 30 बीघा शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में जिलेभर में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में आज बुधवार को महू क्षेत्र में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 25 करोड़ रुपये मूल्य की बेशकीमती शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डॉ. अंबेडकर नगर महू राकेश परमार के मार्गदर्शन में ग्राम मलेंडी, तहसील महू में राजस्व एवं प्रशासनिक अमले द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। इस दौरान 7.824 हेक्टेयर (लगभग 30 बीघा) शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। उक्त भूमि का बाजार मूल्य लगभग 25 करोड़ रुपये आंका गया है। इस भूमि पर अवैध कब्जा किया गया था, जिसे नियमानुसार हटाते हुए भूमि को पुनः शासकीय अभिलेखों के अनुरूप मुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान राजस्व, पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन का अमला मौजूद रहा। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर शासकीय भूमि पर अवैध कब्जों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार जिले में शासकीय संपत्तियों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत चिन्हित अतिक्रमणों पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। महू के ग्राम मलेंडी में की गई यह कार्रवाई जिले की प्रमुख अतिक्रमण हटाओ कार्रवाइयों में शामिल है।

ब्रिक्स कृषि सम्मेलन के विदेशी प्रतिनिधियों ने किया ग्रामीण हाट का भ्रमण

मृगनयनी, प्रकृत सिल्क और हेम्प क्लोदिंग के स्टॉलों पर विदेशी प्रतिनिधियों ने दिखाई विशेष रुचि

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर में 9 से 13 जून 2026 तक आयोजित ब्रिक्स देशों के महत्वपूर्ण कृषि कांफ्रेंस में सहभागी बनने आए विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों एवं विदेशी मेहमानों ने मंगलवार को इंदौर के प्रसिद्ध ग्रामीण हाट बाजार का भ्रमण किया। इस अवसर पर उन्होंने मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के विशिष्ट कृषि उत्पादों, पारंपरिक हस्तशिल्प, प्राकृतिक खेती आधारित उत्पादों तथा एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) के अंतर्गत विकसित उत्पादों का अवलोकन किया।

विदेशी प्रतिनिधियों के ग्रामीण हाट आगमन पर उनका मालवा की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के अनुरूप आत्मीय स्वागत किया गया। अतिथियों को पारंपरिक पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया तथा जनजातीय कलाकारों द्वारा मनमोहक लोक एवं जनजातीय नृत्य प्रस्तुत कर मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया गया। जनजातीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक नृत्य ने विदेशी प्रतिनिधियों को विशेष रूप से आकर्षित किया। अनेक प्रतिनिधि स्वयं भी नृत्य दल के साथ शामिल हुए और जनजातीय धुनों पर उत्साहपूर्वक झूमते नजर आए। ग्रामीण हाट में मध्यप्रदेश की कृषि विविधता, स्थानीय उद्यमिता, महिला स्व-सहायता समूहों, किसान उत्पादक संगठनों, मूल्य संवर्धन आधारित कृषि

मॉडल तथा प्रदेश की समृद्ध वस्त्र एवं हस्तशिल्प परंपरा को प्रदर्शित किया गया था। विदेशी प्रतिनिधियों ने विभिन्न स्टॉलों पर जाकर उत्पादों की जानकारी प्राप्त की तथा उत्पादकों से संवाद भी किया। भ्रमण के दौरान ओडीओपी के अंतर्गत प्रदर्शित बुरहानपुर जिले के केले से निर्मित मूल्य संवर्धित उत्पाद विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। प्रतिनिधियों ने केला चिप्स, केला कुकीज तथा केले के रेशों से निर्मित वस्त्रों के बारे में जानकारी प्राप्त की और कृषि आधारित प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन की इस पहल की सराहना की।

बालाघाट जिले के स्टॉल पर प्रदर्शित जीआई टैग प्राप्त चिन्नौर चावल के साथ-साथ रीवा जिले के जीआई टैग प्राप्त सुंदरजा एवं अन्य प्रजातियों के आमों ने भी विदेशी मेहमानों का ध्यान आकर्षित किया। प्रतिनिधियों ने विभिन्न आम प्रजातियों का स्वाद चखा तथा उनकी गुणवत्ता, स्वाद एवं सुगंध की प्रशंसा की। झाबुआ जिले के स्टॉल पर साठी मक्का, दूध मोगर मक्का, देशी उड़द एवं अरहर जैसी पारंपरिक फसलों तथा लंबे रेशों वाले कपास की जानकारी दी गई। मंडला जिले में मिलेट क्वीन लहरी बाई द्वारा संरक्षित दुर्लभ श्रीअन्न (मिलेट) किस्मों, नीमच की औषधीय एवं मसाला फसलों, नरसिंहपुर के करेली के पारंपरिक गुड़, छिंदवाड़ा के वन एवं फल उत्पादों तथा प्राकृतिक खेती आधारित उत्पादों में भी विदेशी प्रतिनिधियों ने विशेष रुचि दिखाई।

ग्रामीण हाट में कृषि उत्पादों के साथ-साथ मध्यप्रदेश की समृद्ध वस्त्र एवं हस्तशिल्प परंपरा भी विदेशी प्रतिनिधियों के आकर्षण का केंद्र रही। मृगनयनी के स्टॉल पर प्रदर्शित चंदेरी, महेश्वरी एवं कोसा वस्त्रों, बाघ प्रिंट तथा गोंड चित्रकला की विदेशी मेहमानों ने विशेष सराहना की। वहीं प्रकृत सिल्क स्टॉल पर प्रदर्शित मलबरी सिल्क एवं तसर सिल्क से निर्मित परिधानों और हस्तकरघा उत्पादों में भी प्रतिनिधियों ने गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने पारंपरिक बुनाई कला, प्राकृतिक रेशों की गुणवत्ता तथा स्थानीय बुनकरों की शिल्पकला की प्रशंसा करते हुए इसे भारतीय सांस्कृतिक विरासत और सतत आजीविका का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। हेम्प क्लोदिंग स्टॉल पर प्रदर्शित पर्यावरण-अनुकूल वस्त्रों ने भी प्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित किया, जहां उन्हें कम पानी में तैयार होने वाले टिकाऊ एवं प्राकृतिक वस्त्रों की विशेषताओं से अवगत कराया गया।

'गीदड़' टिप्पणी पर जैन समाज की आपत्ति, मुनिश्री ने पूछा- आखिर किसे कहा?

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर दिगंबर जैन समाज की सामाजिक संसद के अध्यक्ष की टिप्पणी को लेकर गहमा-गहमी शुरू हो गई है। मुनिश्री 108 आदित्यसागर महाराज ने भी इस पर नाराजगी जताते हुए अध्यक्ष से पूछा है कि उन्होंने 'गीदड़' शब्द किसके लिए इस्तेमाल किया था, इसका स्पष्ट स्पष्टीकरण दें।

दरअसल, सामाजिक संसद के अध्यक्ष आनंद गोधा ने गुना में आचार्य सुधासागर महाराज की मौजूदगी में शेर-गीदड़ संबंधी टिप्पणी की थी। इस पर समाज के कई लोगों ने आपत्ति जताई है। मुनिश्री 108 आदित्यसागर महाराज ने भी इस बयान पर असहमति व्यक्त की है। गुना में आयोजित कार्यक्रम के दौरान आनंद गोधा ने कहा था, आप जैसे शेर आ जाएंगे तो सारे गीदड़ भाग जाएंगे। हम उन्हें भगाना चाहते हैं, क्योंकि हम समाज में कुछ करना चाहते हैं। हम आपको किसी एक मंदिर के बैनर पर नहीं, बल्कि पूरे इंदौर के बैनर पर ला रहे हैं।

अपने संबोधन में उन्होंने समाज के लिए कई कार्य करने की बात भी कही। साथ ही यह भी कहा कि समाज के कुछ लोग चाहते हैं कि युवा पीछे हट जाएं, ताकि उनकी 'दुकान' फिर से चल सके। जानकारी के अनुसार, आनंद गोधा समाज के कुछ सदस्यों के साथ रविवार को गुना गए थे। इसी दौरान उन्होंने यह टिप्पणी की थी, जिसके बाद समाज में इसे लेकर चर्चा और विरोध शुरू हो गया है। मुनिश्री 108 आदित्यसागर महाराज का भी एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्होंने नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि समाज का अध्यक्ष होने के नाते व्यक्ति के पास अधिक विवेक होना चाहिए। महाराज ने कहा, 'यह इंदौर है। जब ये लोग पैदा भी नहीं हुए थे, तब सर सेठ हुकुमचंद जी ने इसे सींचा था। आप यह नहीं कह सकते कि इंदौर को किसी ने कुछ नहीं दिया।' उन्होंने आगे कहा कि समाज 10 लोगों के समूह से नहीं चलता, बल्कि समाज ही अपने प्रतिनिधियों का चयन करता है। यदि किसी को लगता है कि वही सर्वेसर्वा है, तो एक बार चुनाव कराकर देख ले, तब पता चल जाएगा कि दूध क्या है और छाछ क्या है। मुनिश्री ने कहा कि यदि अध्यक्ष ने किसी को 'गीदड़' कहा है, तो उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि यह टिप्पणी किसके लिए की गई थी। क्या यह शब्द साधुओं के लिए कहा गया था या समाज के वरिष्ठ लोगों के लिए? इस पर स्पष्ट स्पष्टीकरण दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वे कई बार इंदौर आ चुके हैं, लेकिन आज तक किसी अध्यक्ष ने इस तरह का अवमाननापूर्ण वक्तव्य नहीं दिया। इंदौर दिगंबर जैन समाज की सामाजिक संसद के अध्यक्ष ने कहा कि मेरे शब्द किसी भी पूज्य मुनिराज, त्यागी या श्रावक के लिए नहीं थे। संकेत केवल उन विघटनकारी तत्वों की ओर था, जो समाज में गुटबाजी व भाईचारा खत्म करना चाहते हैं

कोयला खाली कर ट्रक लेकर फरार हुआ ड्राइवर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र में चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। आरोप है कि चालक कोयला लेकर इंदौर पहुंचा, माल खाली कराया और इसके बाद ट्रक मालिक को बिना सूचना दिए वाहन लेकर चला गया। काफी तलाश के बाद ट्रक मक्सी रोड स्थित एक ढाबे पर खड़ा मिला, जबकि चालक अब भी फरार है।

लसूड़िया पुलिस के मुताबिक फरियादी कृष्ण वीर सिंह पुत्र बिंदा सिंह भदौरिया निवासी इंदिरा नगर चार शहर का नाका ग्वालियर ने ट्रक चालक पवन सिंह निवासी अनवी कानपुर उत्तरप्रदेश के खिलाफ गबन का मामला दर्ज कराया है। शिकायत के अनुसार ट्रक क्रमांक GJ-23-AT-9445 में 16 मई को कोयला भरकर चालक पवन सिंह इंदौर के देवास नाका स्थित एलएनटी इंटरप्राइजेस परिसर में 26 मई को पहुंचा था। यहां माल खाली कराने के बाद चालक ने ट्रक पार्किंग में खड़ा करने की बात कही और ट्रांसपोर्ट नगर में मालिक का काम होने का हवाला दिया।

फरियादी के मुताबिक शाम को पवन ट्रक लेकर वहां से चला गया। बाद में कृष्ण वीर सिंह ने गुजरात के आनंद निवासी ट्रांसपोर्टर जयेश मकवाना को मामले की जानकारी दी। चालक को फोन लगाने पर उसका मोबाइल बंद मिला। काफी तलाश के बाद ट्रक मक्सी रोड स्थित एक ढाबे पर खड़ा मिला। ट्रक के तीन टायर गायब थे। वाहन की तलाशी लेने पर उसके दस्तावेज भी नहीं मिले। बाद में ढाबा संचालक ने बताया कि चालक ट्रक की चाबी और दस्तावेज उसके पास छोड़कर गया था। पुलिस ने ट्रक से संबंधित दस्तावेज जब्त कर लिए हैं। फिलहाल फरार चालक पवन सिंह की तलाश की जा रही है।

महिला डॉक्टर पर कोर्ट से धोखाधड़ी का मामला दर्ज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। जिला न्यायालय से धोखाधड़ी करने के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। एक मामले में महिला डॉक्टर पर पहले से बेची जा चुकी संपत्ति के आधार पर आरोपी की जमानत लेने का आरोप लगा है, जबकि दूसरे मामले में जब्त वाहन छुड़ाने के लिए कथित रूप से फर्जी दस्तावेज पेश कर अदालत को गुमराह करने की कोशिश की गई। दोनों मामलों में एमजी रोड थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक पहला मामला जिला कोर्ट परिसर स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) न्यायालय से जुड़ा है। शासन की ओर से अली असलम अंसारी निवासी एमटीएच कम्पाउंड ने मंगलवार को शिकायत दर्ज कराई। एफआईआर के अनुसार डॉक्टर आसमा (30) पुत्री मुश्ताक शेख निवासी मैजेस्टिक नगर खजराना ने एक प्रकरण में जमानतदार के रूप में अपनी संपत्ति पेश की थी। जांच के दौरान सामने आया कि संबंधित संपत्ति का विक्रय पहले ही किया जा चुका था। इसके बावजूद उसी संपत्ति को आधार बनाकर आरोपी गुलाब की जमानत लेने का प्रयास किया गया। मामले को न्यायालय के साथ धोखाधड़ी और भ्रामक जानकारी प्रस्तुत करने के रूप में देखा गया। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी इंदौर रवि कुमार साहू ने दस्तावेजों और तथ्यों का परीक्षण किया। इसके बाद 5 जून 2026 को आदेश जारी कर संबंधित जमानतदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। पुलिस का कहना है कि जांच में आरोप सही पाए जाने पर मामले में और भी महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं।

गुजरात के कारोबारी ने लगाया शराब पीकर ड्यूटी करने का आरोप

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एमआईजी थाना क्षेत्र स्थित एबी रोड पर मंगलवार देर रात ड्रिंक एंड ड्राइव चेकिंग के दौरान गुजरात के एक कारोबारी और पुलिसकर्मियों के बीच विवाद हो गया। कारोबारी ने चेकिंग कर रहे एसआई पर शराब पीकर ड्यूटी करने का आरोप लगाया है। मामले की शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंच गई है।

जानकारी के मुताबिक एमआईजी थाने के एसआई शैलेन्द्र अग्रवाल और दो पुलिसकर्मियों के खिलाफ गुजरात निवासी कारोबारी महावीर सिंह ने लिखित शिकायत थाना प्रभारी सीबी सिंह को दी है। महावीर सिंह ने शिकायत में बताया कि वह उज्जैन में महाकाल दर्शन के लिए आए थे। मंगलवार को ओंकारेश्वर दर्शन के बाद वे इंदौर में रुके थे और सोमवार सुबह गुजरात लौटने वाले थे। रात में बच्चे घूमने की जिद करने लगे, जिसके बाद वह परिवार के साथ कार से सी-21 मॉल के पास पहुंचे। कारोबारी के अनुसार कार में उनके साथ ड्राइवर भी था, जिसने शराब नहीं पी थी। पुलिस ने वाहन रोककर जांच की और बाद में महावीर सिंह से भी ब्रीथ एनालाइजर में फूंक लगाने को कहा। कारोबारी का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने अल्कोहल की स्मैल आने की बात कहकर वाहन जब्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी। महावीर सिंह का आरोप है कि चेकिंग कर रहे एसआई शैलेन्द्र अग्रवाल स्वयं नशे की हालत में थे। उन्होंने एसआई से भी ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट कराने की बात कही, लेकिन वह इससे बचते नजर आए। इस दौरान मौके पर काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। पुलिस ने कारोबारी का चालान बनाकर कार थाने भिजवा दी। बाद में कारोबारी को अपने बच्चों के साथ टैक्सी से होटल जाना पड़ा। कारोबारी ने शिकायत में दावा किया है कि उनके मोबाइल में घटना से जुड़े कई वीडियो मौजूद हैं। मामले को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों ने भी संज्ञान लिया है। फिलहाल पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

बाक टांडा के चोरों की थी वारदात

तीन चोरों को विजयनगर पुलिस ने पकड़ा, 13 लाख का माल बरामद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। विजयनगर थाना पुलिस ने दो दिन पहले हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी टांडा क्षेत्र के रहने वाले हैं, जो पहले इलाके की रेकी कर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस आरोपियों से अन्य चोरी की घटनाओं को लेकर भी पूछताछ कर रही है।

टीआई चंद्रकांत पटेल ने बताया कि स्कीम नंबर-54 निवासी अभिषेक तिवारी ने रविवार रात घर में चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। फरियादी के मुताबिक बदमाश करीब डेढ़ दर्जन मोबाइल, मोबाइल एसेसरीज और करीब 41 हजार रुपए नकद चोरी कर ले गए थे। मामले में आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए थे, जिनके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रदीप उर्फ छोटू पुत्र लच्छू मडलाई निवासी टांडा, निर्भय सिंह उर्फ नरभू पुत्र रतन सिंह और टेटिया पुत्र थावरिया को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 17 मोबाइल, एसेसरीज और नकदी बरामद की गई है। इधर, इंदौर क्राइम ब्रांच ने भी बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी और गुम हुए करीब 230 मोबाइल फोन लोगों को लौटाए। इन मोबाइलों की कीमत करीब 50 लाख रुपए बताई गई है। मोबाइल सिटीजन कॉप एप पर दर्ज शिकायतों के आधार पर ट्रेस किए गए थे।

बढ़ती गर्मी में लोगों को शरबत पिलाकर दी राहत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। भीषण गर्मी और तेज धूप से राहत दिलाने के उद्देश्य से इन्दौर के रानीपुरा चौराहा पर समाजसेवी निरज अग्रवाल द्वारा शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान राहगीरों, वाहन चालकों एवं आमजन को शीतल शरबत पिलाकर गर्मी से राहत प्रदान की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने शरबत ग्रहण किया और इस जनसेवा पहल की सराहना की। नीरज अग्रवाल ने कहा कि गर्मी के मौसम में जरूरतमंदों एवं राहगीरों की सेवा करना एक मानवीय दायित्व है तथा ऐसे सेवा कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। इस अवसर पर अमित अग्रवाल, कार्तिक अग्रवाल, गोपाल यादव एवं पूनम गोयल सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे और शरबत वितरण में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बढ़ती गर्मी के बीच लोगों को राहत पहुंचाना तथा सेवा भावना को बढ़ावा देना रहा।

जनसमस्याओं और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं को उजागर करने वाले साहसी, कर्मठ साथियो की दैनिक अखबार और न्यूज़ चैनल में आवश्यकता है...जो लेखनी और भाषा का दक्ष हो।
इच्छुक व्यक्तित्व संपर्क करें -
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com
DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
You Tube Detective Group Report
SUBSCRIBE
समाचार और विज्ञापन के लिए संपर्क करें
+91 9111156060

नए भारत के निर्माण का स्वर्णिम अध्याय : डॉ. यादव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। भारत के इतिहास में नरेन्द्र मोदी का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना देश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। लगातार तीन बार सत्ता में वापसी उनकी कार्यशैली, सभी को साथ लेकर चलने की क्षमता, देश को सुरक्षा देने और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के संकल्प को दर्शाती है। प्रधानमंत्री मोदी की इन विशेषताओं ने नए भारत के निर्माण का एक महत्वपूर्ण अध्याय लिखा है। वर्ष 2014 में जब नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, तब देश की जनता ने केवल एक नई सरकार नहीं चुनी थी, बल्कि शासन की नई कार्यशैली और राजनीतिक संस्कृति की अपेक्षा भी व्यक्त की थी। बारह वर्षों की इस यात्रा को केवल

योजनाओं, आंकड़ों और उपलब्धियों से नहीं, बल्कि उस व्यापक दृष्टिकोण से समझना अधिक उचित होगा, जिसने शासन की सोच और दिशा को बदला। यदि इन वर्षों को तीन शब्दों में समेटना हो, तो वे होंगे सेवा, सुशासन और संकल्प। प्रधानमंत्री मोदी की सोच में सेवा का अर्थ केवल कल्याणकारी योजनाएं चलाना नहीं, बल्कि शासन को जनता का सेवक और संरक्षक बनाना रहा है। पिछले बारह वर्षों में शासन की प्राथमिकताओं में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की चिंता स्पष्ट दिखाई देती है। गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग को केवल वोट बैंक नहीं, बल्कि विकास प्रक्रिया के केंद्र में रखने का प्रयास किया गया।

- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

सेप्टिक टैंक में उतरे 2 भाई, जहरीली गैस से मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

बैतूल, एजेंसी। जिले के मुलताई नगर में बुधवार शाम सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस से दम घुटने पर 2 भाइयों की मौत हो गई। एक भाई को बचाने के लिए दूसरा टैंक में उतरा, लेकिन वह भी बाहर नहीं निकल सका। तीसरे मजदूर की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, भगतसिंह वार्ड निवासी ओमप्रकाश परमंडल के मकान में सेप्टिक टैंक का निर्माण चल रहा था। ग्राम डिवटिया निवासी विजय पंवार (38) और उनके छोटे भाई संजय पंवार (30) सेंट्रिंग का काम कर रहे थे, तभी वे इसकी चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सेप्टिक टैंक में सेंट्रिंग खोलने का कार्य किया जा रहा था। मजदूर संजय शाम करीब 6 बजे नीचे उतरा, जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आया तो दूसरा मजदूर, उसका भाई विजय, उसे देखने के लिए नीचे उतरा। इस दौरान जब वह भी देर तक वापस नहीं आया तो तीसरे मजदूर मुकेश ने नीचे जाकर देखा। दोनों को बेहोश अवस्था में पाया। दोनों भाइयों को बेहोश देखकर शोर मचाने लगा। इसके बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। तीनों को करीब 7:45 बजे मुलताई अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने विजय पंवार और संजय पंवार को मृत घोषित कर दिया, जबकि मुकेश परिहार को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बैठक में शामिल होने दिल्ली पहुंचे

नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक आज नई दिल्ली में होगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक 11 जून को नई दिल्ली में होने जा रही है। बैठक का विषय '2047 तक विकसित भारत के लिए समावेशी मानव विकास' रखा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस अति महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने के लिए 10 जून को नई दिल्ली पहुंच चुके हैं।

नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की इस बैठक में राज्यों के मुख्यमंत्री और उप राज्यपाल एक साथ मिलकर समावेशी मानव विकास प्रारूप पर चर्चा करेंगे। बैठक मुख्यतः 'मूलभूत मानव पूंजी और भविष्य के लिए तैयार कौशल', 'उत्पादक रोजगार, उद्यमिता और विकेंद्रीकृत विकास', 'स्वास्थ्य, पोषण और कल्याण' एवं 'सभी के लिए समानता और गरिमा' से जुड़े विषयों पर केन्द्रित रहेगी। बैठक में देश भर में उद्यमिता को बढ़ावा देने, कौशल विकास को बढ़ाने और स्थायी रोजगार के अवसर सृजित करने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल/प्रशासक, केंद्रीय मंत्री पदेन सदस्य और विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में और नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सदस्य और मुख्य कार्यकारी अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन से शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो रेल में सफर किया

15 जून तक जमा करना होगा प्रवेश शुल्क

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। (बी.एड., एम.एड., बी.पी.एड., एम.पी.एड. आदि) के प्रथम चरण का महाविद्यालय आवंटन जारी कर दिया गया है। प्रथम चरण में पात्र अभ्यर्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं। आवंटित अभ्यर्थियों को प्रवेश सुनिश्चित करने के लिये 15 जून 2026 तक निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कुल 64,641 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 59,113 आवेदनों का सत्यापन किया गया। प्रथम चरण में 32,918 अभ्यर्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों से आग्रह किया है कि वे अपने लॉगिन के माध्यम से आवंटन की जानकारी प्राप्त कर निर्धारित समय-सीमा में शुल्क जमा कर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें। निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा नहीं करने पर आवंटन निरस्त माना जाएगा तथा सीट आगामी चरणों के लिए उपलब्ध हो जाएगी।

महिला आयोग ने शुरू की टोल-फ्री हेल्पलाइन

अब एक कॉल पर मिलेगी सहायता, शिकायतों के त्वरित निराकरण की होगी प्रभावी व्यवस्था

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए महिलाओं के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन 1800-233-6112 का शुभारंभ किया। हेल्पलाइन के माध्यम से प्रदेश की महिलाएं सीधे आयोग से संपर्क कर अपनी शिकायतें, समस्याएं और सुझाव दर्ज करा सकेंगी।

भोपाल स्थित राज्य महिला आयोग कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा यादव, सदस्य श्रीमती साधना स्थापक तथा आयोग के सचिव श्री सुरेश तोमर ने हेल्पलाइन का विधिवत विमोचन किया। इस अवसर पर आयोग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। श्रीमती यादव ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को न्याय और सहायता तक सहज पहुंच उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नई टोल-फ्री हेल्पलाइन महिलाओं और आयोग के बीच सीधा संवाद स्थापित करेगी, जिससे उनकी समस्याओं का त्वरित संज्ञान लेकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए उपयोगी होगी जो किसी कारणवश सीधे आयोग तक नहीं पहुंच पाती हैं। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा शुरू की गई यह टोल-फ्री हेल्पलाइन महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा न्याय तक उनकी पहुंच को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। श्रीमती यादव प्रदेश की सभी महिलाओं से अपील की है कि आवश्यकता पड़ने पर वे निःसंकोच टोल-फ्री नंबर 1800-233-6112 पर संपर्क कर अपनी समस्याएं दर्ज कराएं और उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाएं।

महेश केवट जीते तो पार्षद से सीधे पार्लियामेंट मेंबर बनेंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। निवाड़ी जिले के ओरछा कस्बे के वार्ड नंबर 12 स्थित हरिशंकरी मुहल्ले में रहने वाले महेश केवट के राज्यसभा जाने का रास्ता लगभग साफ है। मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज होने के बाद यदि कांग्रेस को कोर्ट से राहत नहीं मिलती है तो महेश केवट मध्य प्रदेश से केवट, माझी, मल्लाह, रैकवार, भोई समाज के पहले राज्यसभा सांसद होंगे। महेश केवट 2000 से लेकर 2005 तक

ओरछा नगर परिषद के उपाध्यक्ष भी रहे। महेश की पत्नी ने ओरछा नगर परिषद के अध्यक्ष का चुनाव भाजपा के अधिकृत उम्मीदवार के तौर पर लड़ा था लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। 2022 के नगर परिषद ओरछा के चुनाव में उस समय स्थानीय बीजेपी नेतृत्व ने महेश केवट पर पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोपों में उन्हें निष्कासित कर दिया था। महेश के साथ उन कार्यकर्ताओं को निष्कासित किया गया था जिन्होंने भाजपा के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ा था। महेश के साथ करीब दर्जन भर भाजपाई और पार्टी से बाहर किए गए थे। लेकिन, महेश और निवाड़ी विधायक अनिल जैन ने भोपाल में भाजपा के प्रदेश कार्यालय में महेश केवट के निष्कासन की फाइल निकलवाई तो यहां कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। महेश ने पार्टी को यह जानकारी दी कि उन्होंने और उनके परिवार के किसी सदस्य ने बागी होकर चुनाव नहीं लड़ा है। बल्कि सोशल मीडिया में कई ऐसे पत्र वायरल हुए जिनमें महेश के निष्कासन के आदेश में कुछ और नाम जोड़कर उन्हें भी बीजेपी से निष्कासित बताया गया। इसके बाद पार्टी ने अधिकारिक तौर पर 2023 में महेश के निष्कासन को समाप्त करने का आदेश तत्कालीन प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी की तरफ से जारी किया गया।

विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में होगा सामूहिक योग कार्यक्रम

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी कुलसचिवों, प्राचार्यों एवं संबंधित संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों के अनुसार आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए निर्धारित गतिविधियों का पालन किया जाएगा। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से कहा गया है कि वे योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम की तैयारी के तहत 19 जून 2026 को विद्यार्थियों को प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा योगाभ्यास कराया जाएगा। सामूहिक योग कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को योग के अनुरूप आरामदायक वेशभूषा धारण करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

संपादकीय

दीदी के गढ़ में बड़ी सेंध टीएमसी में फूट और महाराष्ट्र मॉडल की आहट

कई राजनीतिक लड़ाइयां लड़ चुकीं ममता बनर्जी के सामने शायद अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है। बागी TMC खेमे के सूत्रों का कहना है कि उन्हें कम से कम 19 लोकसभा सांसदों का समर्थन मिल गया है। यह पार्टी की 28 सांसदों की कुल संख्या का दो-तिहाई है। कहा जा रहा है कि वे सदन में पार्टी के संसदीय विंग का प्रतिनिधित्व करने का दावा करेंगे। यह रणनीति वैसी ही है जैसी पार्टी के बागी विधायकों के गुट ने अपनाई थी, जिसने पश्चिम बंगाल विधानसभा में पार्टी के विधायी विंग पर कब्जा कर लिया था। TMC के बिखरने के संकेत के तौर पर, ममता और अभिषेक के मुखर समर्थक, खासकर सायनी घोष और तीन मुस्लिम सांसद, बागी गुट का समर्थन कर रहे हैं। असली TMC होने का दावा उन्हें अयोग्य घोषित होने से बचने के लिए तुरंत BJP में विलय करने की संवैधानिक जरूरत से बचने में मदद कर सकता है। यह वही रास्ता है जिसे पहले शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट और फिर NCP के अजित पवार गुट ने अपनाया था। बाद में चुनाव आयोग ने दोनों समूहों को मूल पार्टियों के असली विंग के तौर पर मान्यता दी और वे BJP के सहयोगी हैं। BJP से दूरी बनाए रखने का विकल्प खासकर उन मुस्लिम सांसदों के लिए काम आ सकता है जो बागी गुट का हिस्सा हैं। अगर बागी चाहें तो वे पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न पर भी दावा ठोक सकते हैं ताकि तृणमूल प्रमुख की मुश्किलें और बढ़ाई जा सकें। माना जा रहा है कि इस समूह में शताब्दी रॉय, बापी हलदर, पार्थ भौमिक, असित कुमार मल, पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर यूसुफ पठान, खलीदुर रहमान, अबू ताहिर खान, मिताली बाग, कालीपदा सरेन खेरवाल, शर्मिला सरकार, रचना बनर्जी, जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया, अरूप चक्रवर्ती, दीपक देव अधिकारी, जून मालिया, प्रसून बनर्जी, सायनी घोष और माला रॉय शामिल हैं। राज्यसभा में, इस क्षेत्रीय पार्टी ने सुष्मिता देव के रूप में एक और सांसद खो दिया है, जो कुछ दिन पहले तक ममता का समर्थन कर रही थीं और अब उनके BJP में शामिल होने की उम्मीद है।

धर्म-कर्म

परमा एकादशी पर जरूर पढ़ें ये व्रत कथा

श्रीहरि करेंगे हर इच्छा पूरी

सभी एकादशियों में परमा एकादशी बहुत ही महत्वपूर्ण मानी जाती है. इस एकादशी को भीमसेनी एकादशी और पुरुषोत्तमी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है. यह एकादशी 3 साल में एक बार आती है, जो कि सिर्फ अधिकमास में पड़ती है. यह व्रत बहुत ही शुभ माना गया है. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा धूप, दीप, फूल और भोग आदि से करनी चाहिए. जो व्यक्ति श्रद्धा से यह व्रत करता है, उसके पाप, दुख और दरिद्रता दूर होने लगती है. इसके अलावा, पद्म पुराण के उत्तरकांड में भी इस एकादशी का जिक्र मिलता है, जहां भगवान श्रीकृष्ण धर्मराज युधिष्ठिर को इस एकादशी का महत्व समझा रहे हैं. माना जाता है कि इस दिन श्रीहरि की कथा पढ़ना भी शुभ माना जाता है. आइए जानते हैं कथा के बारे में.

परमा एकादशी की कथा

प्राचीन समय में काम्पिल्य नाम की नगरी में सुमेधा नाम का एक ब्राह्मण रहता था. वह बहुत ही धार्मिक और सज्जन था, लेकिन किसी कारणवश वह और उसकी पत्नी बहुत गरीब थे. उनकी स्थिति इतनी खराब थी कि कई बार उन्हें भोजन तक नहीं मिल पाता था. सुमेधा की पत्नी बहुत पतिव्रता और सहनशील थी. वह खुद भूखी रहकर भी अतिथि को भोजन करा देती थी और कभी अपने पति से कोई शिकायत नहीं करती थी.

एक दिन सुमेधा ने दुखी होकर अपनी पत्नी से कहा कि वह दूसरे स्थान पर जाकर धन कमाना चाहता है, क्योंकि बिना धन के घर चलाना कठिन हो रहा है. पत्नी ने विनम्रता से उत्तर दिया कि, 'हे स्वामी, जो भाग्य में लिखा होता है, वही मिलता है. यदि भाग्य में धन होगा तो यहीं मिलेगा, और अगर नहीं है तो कहीं जाकर भी नहीं मिलेगा. मैं आपसे दूर नहीं रह सकती, इसलिए आप यहीं रहकर धैर्य रखें.'

पत्नी की बात मानकर सुमेधा ने बाहर जाने का विचार छोड़ दिया. कुछ समय बाद वहां कौण्डिन्य ऋषि आए. ब्राह्मण दंपत्ति ने उनका आदर-सत्कार किया और भोजन कराया. भोजन के बाद ब्राह्मण की पत्नी ने ऋषि से विनती की कि वे उनकी गरीबी दूर करने का कोई उपाय बताएं.

ऋषि ने कहा, ''अधिक मास की कृष्ण पक्ष की परम एकादशी का व्रत करो. यह व्रत बहुत फलदायी है. इससे सभी दुख और दरिद्रता दूर हो जाते हैं. इस दिन रात भर जागरण करना चाहिए और भगवान का भजन करना चाहिए.''

उन्होंने आगे बताया कि भगवान शिव की कृपा से कुबेर इसी व्रत के प्रभाव से धन के स्वामी बने थे. राजा हरिश्चंद्र को भी इस व्रत के कारण अपना खोया हुआ सब कुछ वापस मिला था. ऋषि ने पंचरात्रि व्रत के बारे में भी बताया, जिसमें पांच दिनों तक नियमपूर्वक व्रत किया जाता है. कोई निर्जल व्रत करता है, कोई एक समय भोजन करता है, और कोई ब्राह्मणों को भोजन कराता है, इन सबका बहुत पुण्य मिलता है.

ऋषि की बात मानकर सुमेधा और उसकी पत्नी ने पूरी श्रद्धा से परम एकादशी का व्रत किया. व्रत पूरा होने के बाद उनके जीवन में चमत्कारिक बदलाव आया. एक दिन एक राजकुमार उनके घर आया और उन्हें रहने के लिए सुंदर घर दिया. साथ ही आजीविका के लिए एक गांव भी दे दिया.

इस तरह उस व्रत के प्रभाव से उनकी गरीबी खत्म हो गई और वे सुख-समृद्धि से जीवन बिताने लगे. अंत में उन्हें स्वर्ग की प्राप्ति हुई. भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि जो व्यक्ति परम एकादशी का व्रत करता है, उसे अनेक यज्ञों और तीर्थों के बराबर फल मिलता है. अधिक मास बहुत पवित्र होता है और इस समय किए गए व्रत विशेष फल देते हैं. इसलिए हर व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार इस व्रत को अवश्य करना चाहिए, ताकि जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे.

कौन से माह में बनाएं अपने सपनों का घर

वास्तु के ग्रंथों में शुभाशुभ मासों का जिक्र आता है, प्रत्येक माह में गृह निर्माण करने का क्या फल होता है, नीचे वर्णित है। लेकिन अंतिम निर्णय मकानमालिक अपनी ग्रहदशा यानि अपने उपर चलने वाली विंशोत्तरी महादशा, ग्रहों का गोचर, जन्मपत्री में बनने वाले शुभाशुभ योगों को ध्यान में रखकर ही लें।

पाठकों की सुविधा के लिए वास्तु के ग्रंथों से संकलित भवन निर्माण हेतु शुभाशुभ मास वर्णित हैं। गृहनिर्माण प्रारम्भ करने हेतु शुभ मास - वैशाख में बनाने के परिणाम अच्छे होते हैं, श्रावण परिवार के कल्याण के लिए अच्छा होता है, कार्तिक में बनाने से धन की प्राप्ति होती है, माघ पूरे परिवार के लिए अच्छा होता है, फाल्गुन में धन तथा सम्पन्नता आदि का लाभ होता है।

गृहसंस्थापनं चैत्रे धनहानिर्महाभयम्।
वैशाखे शुभदं विंधान् जेष्ठे तु मरणं ध्रुवम्।।
आषाढ़े गोकुलं हंति श्रावणे पुत्रवर्धनम्।
प्रजारोगं भाद्रपदे कलहोवऽश्वयुजेतथा।।
कार्तिके धनलाभस्यान्मार्गशीर्षे महाभयम्।
पुष्ये चाग्निभयं विद्यान्माद्ये तु बहुपुत्रवान्।
फाल्गुने रत्न लाभस्थन्मसनाम चा शुभाशुभम्।।

अर्थात, चैत्र मास, मार्च, अप्रैल माह में मकान बनाने से धन की हानि और भय होता है। वैशाख मास, अप्रैल, मई में बनाने के परिणाम अच्छे होते हैं, ज्येष्ठ मास, मई, जून में बनाने से मृत्यु भय होता है, आषाढ़ मास, जून, जुलाई में बनाने से पशुहानि होती है। श्रावण मास, जुलाई, अगस्त परिवार के कल्याण के लिए अच्छा होता है, भाद्रपद मास, अगस्त, सितम्बर में बनाने से बीमारी तथा कष्ट होते हैं, आश्विन माह, सितम्बर, अक्टूबर में बनाने के परिणामस्वरूप लड़ाई होती है और शत्रुता बढ़ती है, कार्तिक मास, अक्टूबर, नवम्बर में बनाने से धन की प्राप्ति होती है, मार्गशीर्ष मास, नवम्बर, दिसम्बर में बनाने से अनेक चीजों का भय होता है।

पौष मास, दिसम्बर, जनवरी में बनाने से आग का भय और अन्य कष्ट होते हैं, माघ मास, जनवरी, फरवरी पूरे परिवार के लिए अच्छा होता है, फाल्गुन मास, फरवरी, मार्च में धन तथा सम्पन्नता आदि का लाभ होता है।

New Delhi

घुसपैठ पर बड़ा प्रहार: भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर बनाई जाएंगी एंटी-ड्रोन दीवारें, गृह मंत्रालय का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, (एजेंसी) केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक बड़ा फैसला लिया है जिसके तहत सरहद पार से नशीले पदार्थों और हथियारों व गोला-बारूद की ड्रोन के जरिए तस्करी पर नकेल कसने की तैयारी है। इसके लिए 'स्मार्ट बॉर्डर सिक्योरिटी ग्रिड' की व्यवस्था लाने की घोषणा की गई है। इसमें एक एंटी-ड्रोन शील्ड भी शामिल की जाएगी। बता दें कि ISI और ड्रग तस्कर सरहदी इलाकों, खासकर पंजाब में ड्रोन्स के जरिए हथियार और ड्रग्स की सप्लाई कर रहे हैं, जिसके चलते राज्य में नशे का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है।

इसके अलावा बॉर्डर पर अमित शाह द्वारा लॉन्च किया

गया लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (एलपीएमएस) को भी शामिल किया जाएगा। सरहद की सुरक्षा और निगरानी को बेहतर बनाने के लिए सेंसर और स्मार्ट फेंसिंग की व्यवस्था होगी। लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम एक ऐसा इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म है जो सभी लैंड पोर्ट्स पर कार्गो प्रोसेसिंग और यात्रियों की आवाजाही के लिए एंड-टू-एंड डिजिटल वर्कफ्लो को मुमकिन बनाएगा।

एलपीएमएस को लॉन्च करते हुए अमित शाह ने कहा कि एलपीएमएस सिस्टम, जो हर स्टेकहोल्डर और डेटा सिस्टम को साथ लेकर चलता है, आने वाले दिनों में परिकल्पित 'स्मार्ट सिक्योरिटी ग्रिड' का एक अहम हिस्सा बन जाएगा और आर्थिक व भौतिक सुरक्षा, दोनों को सुनिश्चित करने में मदद करेगा।

Manipur

अगवा किए गए 6 नागाओं की हत्या, 28 दिन बाद सड़ी-गली लाशें मिलीं, UNC का मणिपुर बंद आज

इंफाल, (एजेंसी) मणिपुर के लीलोन वैफेई गांव से 13 मई 2026 को कथित अपहरण के बाद लापता हुए नागा समुदाय के छह लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। सभी शवों को इंफाल स्थित जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान के शवगृह में रखा गया है। करीब 28 दिनों बाद शवों के बरामद होने से क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। परिजन और समुदाय के लोग अब शवों की पहचान और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

लियांगमाई नागा काउंसिल मणिपुर के अध्यक्ष टिमोथी विजुनामाई ने कहा कि सबसे पहले यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बरामद शव वास्तव में उन्हीं छह लापता लोगों के हैं। टिमोथी विजुनामाई ने कहा कि सबसे पहले हमें यह देखना होगा कि शव किस स्थिति में हैं। हमें यह पुष्टि करनी होगी कि ये वास्तव में हमारे वही छह लोग हैं जो लापता हुए थे। विजुनामाई ने आगे कहा कि शवों की पहचान और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के बाद पीड़ित परिवारों के साथ बैठक कर आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा। सरकार की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए विजुनामाई ने कहा कि शवों को इंफाल लाने में 28 दिन लगना बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि हम कैसे संतुष्ट हो सकते हैं? शवों को यहां लाने में 28 दिन लग गए। सरकार ने जिस तरह से कार्रवाई की है, उससे हम बेहद निराश हैं।

New Delhi

सावधान! आज 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आ रहा तूफान, आंधी-बारिश का अलर्ट; कहां तक पहुंचा मॉनसून?

नई दिल्ली, (एजेंसी) उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में गुरुवार को मौसम का रौद्र रूप दिखने वाला है। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने इसे लेकर अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग के ताजा बुलेटिन के मुताबिक एक तरफ जहां मॉनसून ने रफ्तार पकड़ ली है और तेजी से आगे बढ़ते हुए देश के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों को कवर लिया है, वहीं दूसरी तरफ भीषण गर्मी से जूझ रहे उत्तर भारत के कई राज्यों लिए अगले 48 घंटों में धूल भरी आंधी, तूफान और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। गर्मी से बेहाल उत्तर भारत के राज्यों को 11 और 12 जून को राहत मिलने वाली है। IMD के मुताबिक तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है। दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 16 जून तक बारिश का अनुमान है। इसके अलावा पूरे उत्तर पश्चिम भारत में 11 और 12 जून को इन राज्यों में 40 से लेकर 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफान आने की संभावना है। साथ ही कई इलाकों में ओलावृष्टि और धूलभरी आंधी का भी अलर्ट है।

Uttarpradesh

गोंडा-लखनऊ मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, एसयूवी ने पांच को कुचलकर मार डाला; पांच गंभीर रूप से घायल

लखनऊ, (एजेंसी) गोंडा-लखनऊ हाईवे पर नरायनपुर भलियनपुरवा के पास बुधवार देर रात दर्दनाक हादसा हो गया। दो बाइकों की भिड़ंत में घायलों की मदद कर रहे लोगों को एसयूवी ने रौंद दिया। हादसे में सगे भाइयों समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में गुलशन (25), संजय तिवारी, हसन मोहम्मद (40) इम्तियाज (27) और अंशुमान (10) शामिल हैं। घायलों अलताफ, तबरेज आलम, विनय सिंह और परवेज का सीएचसी करनैलगंज में इलाज चल रहा है। हसन और इम्तियाज सगे भाई थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एसयूवी अनियंत्रित होकर भीड़ में घुस गई और बाद में डिवाइडर पार कर सड़क किनारे उतर गई। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। पुलिस ने वाहन की पहचान और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों

के अनुसार, वाहन चालक ने नियंत्रण खो दिया और सड़क पर मदद कर रहे लोगों के समूह में घुस गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कई लोग दूर जा गिरे और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। एसयूवी हादसे के बाद डिवाइडर पार करके दाहिने तरफ सड़क के नीचे पहुंच गई। हादसे के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करनैलगंज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया।

खेल

ऑस्ट्रेलियन ओपन में भारत का शानदार अभियान पीवी सिंधू, तन्वी और आकर्षी दूसरे राउंड में पहुंचीं

नई दिल्ली, (एजेंसी) ऑस्ट्रेलियन बैडमिंटन ओपन 2026 में बुधवार को स्टार शटलर पीवी सिंधू और युवा सनसनी तन्वी शर्मा ने दूसरे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली है। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने ओलंपिक बुलेवार्ड वेन्यू पर पेरू की इनेस कैस्टिलो को सीधे गेम में 21-13, 21-11 से हराया। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट ने शुरू से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और आधे घंटे से कुछ ज्यादा समय में मुकाबला खत्म कर दिया।

प्री-क्वार्टर फाइनल में सिंधू का मुकाबला हमवतन इशारानी बरुआ से होगा। विश्व नंबर 39 इशारानी ने चीन की हान कियानक्सी के खिलाफ 22-20, 10-21, 21-14 से जीत दर्ज करने के साथ अगले दौर में जगह बनाई है। 17 वर्षीय तन्वी शर्मा ने विश्व नंबर-11 चीनी ताइपे की चिउ पिन-चियन को 21-12, 22-20 से शिकस्त दी। अगले

राउंड में उनका सामना मालविका बंसोड़ से होगा, जिन्होंने थाईलैंड की टोनरुन साएहेंग को 15-21, 21-7, 21-13 से मात दी है।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप की मौजूदा सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी के लिए यह जीत उत्साह बढ़ाने वाली है, क्योंकि इस सीजन में बीडब्ल्यूएफ सर्किट पर उनका सफर काफी मुश्किल भरा रहा है। पिछले एक साल में रैंकिंग में तेजी से ऊपर आने के बावजूद, यह युवा भारतीय खिलाड़ी 2026 में अपने पिछले आठ में से केवल दो टूर्नामेंट्स में ही पहले राउंड से आगे बढ़ पाई थी। एक तरफ विमेंस सिंगल्स में भारतीय खिलाड़ियों का अभियान जोर पकड़ रहा था, वहीं पुरुषों की चुनौती जल्द खत्म हो गई। किरण जॉर्ज को मलेशिया के जस्टिन होह ने कड़े मुकाबले में तीन गेम में हराया, जबकि क्वालीफायर सनीथ दयानंद चीन के हू झे-आन से हार गए।

दिन की सबसे करीबी हार थारुन मन्नेपल्ली को मिली। चीनी ताइपे के विश्व नंबर-10 खिलाड़ी लिन चुन-यी के खिलाफ, भारतीय खिलाड़ी ने एक घंटे 20 मिनट तक संघर्ष किया, लेकिन पहले दौर के रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-13, 23-25 से हार गए। महिला एकल ड्रॉ में भारत की मौजूदगी और बढ़ी, जब तान्या हेमंत ने यूएसए की इशिका जायसवाल को 21-17, 21-18 से हराया। हालांकि, मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से 19-21, 21-19, 20-22 से हारने के बाद आकर्षी कश्यप का सफर खत्म हो गया।

सिनेमा

सपना चौधरी नेट वर्थ: करोड़ों की मालकिन हैं हरियाणवी हसीना, पति पर ठोका केस

'बिग बॉस' फेम और मशहूर हरियाणवी डांसर सपना चौधरी को मंगलवार को दिल्ली कोर्ट से 'घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम' के तहत शुरू हुई कार्यवाही में अंतरिम सुरक्षा मिली है। कोर्ट ने उनके पति को सुनवाई की अगली तारीख तक उनसे संपर्क करने या उनके पास जाने से रोक दिया है। यह मामला तब सामने आया जब सपना महिला कोर्ट पहुंचीं और आरोप लगाया कि उनके पति ने कई बार उनके साथ मारपीट की और सार्वजनिक रूप से हंगामा किया। उन्होंने पहले कोर्ट को बताया था कि वह अपना घर छोड़कर अलग रहने लगी हैं और उन्होंने पति के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत दर्ज कराई है। PTI की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट निधि सिंह उस याचिका पर सुनवाई कर रही थीं जिसे सपना चौधरी ने अपनी वकील प्रीति सिंह के जरिए दायर किया था। इस याचिका में उन्होंने अपनी फिल्म के जल्द होने वाले प्रीमियर और अपनी निजी सुरक्षा व काम से जुड़े कामों में संभावित रुकावट की आशंका को देखते हुए अंतरिम राहत की मांग की थी। PTI की रिपोर्ट में आगे बताया गया कि कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, 'प्रतिवादी (सपना चौधरी के पति) को सुनवाई की अगली तारीख तक किसी भी तरह से याचिकाकर्ता के पास जाने से रोका जाता है। प्रतिवादी को सुनवाई की अगली तारीख तक याचिकाकर्ता से किसी भी तरह संपर्क करने, उनके घर या काम की जगह पर जाने और घरेलू हिंसा जैसा कोई भी काम करने से रोका जाता है।' जहां सपना चौधरी और उनके पति को लेकर बातें हो रही हैं, वहीं सपना के बारे में लोग हर जानकारी ढूंढ रहे हैं। क्या आपको उनकी नेट वर्थ पता है? एक रिपोर्ट के अनुसार, सपना चौधरी की कुल नेट वर्थ लगभग 50 करोड़ रुपये आंकी गई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सपना चौधरी हर स्टेज परफॉर्मेंस के लिए 25 से 50 लाख रुपये तक कमाती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली के नजफगढ़ इलाके के दुर्गा विहार में इस एक्ट्रेस और डांसर का एक आलीशान बंगला भी है।

Highlights

1. How people behave is not in our hands: Sachin Pilot in dig at Ashok Gehlot
2. Trump shares post for 'wise man' PM Modi on becoming India's longest-serving elected PM
3. Test flight of 1st Made in India Airbus C295 military transport aircraft conducted
4. Netanyahu shares video message congratulating PM Modi on 12 yrs
5. Social media can't be used to malign judiciary: Delhi HC
6. India appoints Satyanjal Pandey as new Chargé d'Affaires to Pak
7. Pietersen congratulates PM Modi on completing 'historic tenure'
8. Kozhikode cop finds baby python inside Bullet headlight

Apple gives developers new keys to its AI future

NEW DELHI, (Agency). While the world usually tunes into Apple's Worldwide Developers Conference (WWDC) keynote to know what's new with the operating systems and underlying architecture that'll define their iPhones, iPads and other Apple devices, the scope of the developer conversation goes much beyond. This year, Apple unveiled the next generation of Apple Intelligence with a new Siri AI, weaved artificial intelligence (AI) into common everyday tasks, and new Child Safety features. Crucially, what often misses the world's attention are tools for developers, who will inevitably build apps to define the intent with new experiences.

"Developers are at the heart of the Apple ecosystem, and our goal is to provide them with the best possible tools and technologies to build the future," said Susan Prescott, Apple's vice president of Worldwide Developer Relations. "With new intelligence frameworks and agentic coding in Xcode 27, developers have the tools they need to focus on what they do best: bringing their incredible ideas to life," she adds. For the sake of simplicity, it is important to decode crucial new developer tools, some with scope across iOS 27, iPadOS 27 and macOS 27 Golden Gate.

There are of course the new Intelligent Frameworks, considering significant enhancements to Apple Intelligence and a new Siri AI, for developers to work with. The New intelligence frameworks give developers the tools to integrate AI features into their apps across all of Apple's platforms, with focus on ease and flexibility of doing this. Apple's latest Foundation models as well as models from other AI companies will be available for developers, alongside new options on how to add this AI layer to their apps. Apple says the framework now serves as a single native Swift API that supports more powerful on-device models with image input, support for server models, and the ability to build custom skills.

Apple confirms that developers enrolled in the App Store Small Business Program with fewer than 2 million total first-time App Store downloads can access the next generation of Apple Foundation Models running on Private Cloud Compute at no cloud API cost.

This is the third generation for these models, with the first generation from 2024 and the second generation arriving last year. There are three server-based models—the AFM 3 Cloud which Apple calls a server-side workhorse, optimised for speed, efficiency, and performance, the AFM 3 Cloud Pro for demanding use cases like agentic tool use and complex reasoning, and the ADM 3 Cloud (Image) for image generation and editing, which also unlocks advanced photo-editing tools in the iPhone. Amar Subramanya explains that these models represent a significant generational leap as far as quality of output and overall capabilities are concerned.

This intention was explained by Kevan Parekh, Apple's Senior Vice President and Chief Financial Officer, in a recent conversation with HT https://www.hindustantimes.com/business/we-will-invest-across-the-board-kevan-parekh-outlines-apple-s-ambition-in-india-101780034384529.html. He believes AI models have widened the scope for developers, and levelled the playing field for newer and comparatively smaller app developers.

"Developers can also easily leverage models of their choice, like Claude and Gemini, or those from any other provider that implements the new language model protocol. To help developers create adaptive AI experiences more easily and flexibly, the framework also introduces capabilities like Dynamic Profiles, enabling developers to update how models interact with their apps on the fly," the company confirms.

आठ महीने बाद होने वाले थे रिटायर, लोकायुक्त ने कर दी काली कमाई उजागर

जॉइंट डायरेक्टर के पास आलीशान जिम, सुपर मार्केट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर में लोकायुक्त टीम ने बुधवार सुबह महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक (जॉइंट डायरेक्टर) लक्ष्मी नारायण कंडवाल के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

शुरुआती जांच में अधिकारी की वैध आय की तुलना में 241 प्रतिशत अधिक संपत्ति मिलने के प्रमाण सामने आए हैं। लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय को कंडवाल के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत मिली थी। प्राथमिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया। इसके बाद स्पेशल कोर्ट से तलाशी वारंट लेकर लोकायुक्त की अलग-अलग टीमों ने सुबह 6 बजे से एक साथ तीन ठिकानों पर धावा बोल दिया। कार्रवाई इतनी गोपनीय रखी गई थी कि संयुक्त संचालक कंडवाल और उनके परिवार को इसकी भनक तक नहीं लगी। सुबह-सुबह बड़ी संख्या में अधिकारियों को देखकर इलाके में हड़कंप मच गया। लोकायुक्त टीम जब कंडवाल से जुड़े व्यावसायिक

प्रतिष्ठानों पर जांच करने पहुंची तो वहां का नजारा देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। कंडवाल से जुड़े एमएस जिम सेंटर का संचालन दो मंजिला भव्य इमारत में हो रहा है। इस जिम में विदेश जैसी आधुनिक फिटनेस मशीनें, महंगे उपकरण और अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। यह शहर के सबसे बड़े और प्रीमियम निजी जिमों में गिना जाता है। इसके अलावा टीम ने जिस डिपार्टमेंटल स्टोर पर छापा मारा, वह भी किसी बड़े मॉल की तरह चल रहा था, जहां रोजमर्रा की चीजों का बड़े पैमाने पर कारोबार होता है।

लोकायुक्त टीम के मुताबिक, लक्ष्मी नारायण कंडवाल के घर छापे में अब तक कुल 9.5 करोड़ रुपए की संपत्ति मिली है, जिसमें पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र के आसपास 12 प्लॉट और इंदौर में एक कमर्शियल प्लॉट शामिल है। एक बैंक लॉकर की जानकारी मिली है. जिसकी तलाशी ली जाएगी। तीन साल के सेवाकाल में कंडवाल झाबुआ, रतलाम, नीमच, रीवा, शहडोल, उज्जैन, देवास और इंदौर में पदस्थ रहे। सेवाकाल में इनके वेतन का आकलन करीब ढाई करोड़ रुपए है. जिसके विरुद्ध इनकी 9.5 करोड़ रुपए की संपत्ति मिली है।

दंपती की बाइक फिसली, महिला की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। तेजाजी नगर क्षेत्र में सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसके पति को मामूली चोटें आई हैं। दंपती रिश्तेदारी में गमी के कार्यक्रम से लौट रहे थे, तभी उनकी बाइक अचानक फिसल गई।

तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक 32 वर्षीय संगीता पति दिलीप की मौत के मामले में बुधवार को मर्ग कायम किया गया है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार शाम चमेली देवी कॉलेज के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। हादसे में संगीता के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि उनके पति दिलीप को हल्की चोटें आईं। घटना के बाद राहगीरों की मदद से दोनों को एम्बुलेंस के जरिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया। यहां उपचार के दौरान देर रात संगीता ने दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार दिलीप खेती करते हैं। वे अपनी पत्नी के साथ उमरीखेड़ा क्षेत्र में रिश्तेदार के यहां गमी के कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। लौटते समय हादसा हो गया। दंपती के दो बच्चे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एबी रोड पर सी-21 मॉल के सामने मंगलवार देर रात एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर में जा घुसी। हादसे में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि कार के एयरबैग खुल जाने से चालक को गंभीर चोट नहीं आई। सूचना मिलने पर विजयनगर पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को हटवाया। मामले की जांच की जा रही है।

भाजपा नेता को पूछताछ के लिए अहमदाबाद से हिरासत में लिया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर एसआईटी की टीम ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े एक भाजपा नेता को पूछताछ के लिए अहमदाबाद से हिरासत में लिया है। हालांकि क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ अधिकारियों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन एसआईटी को लीड कर रहे टीआई नीरज मेढ़ा अपनी टीम के साथ गुजरात पहुंचे थे और पूछताछ के बाद संबंधित व्यक्ति को इंदौर लाया गया।

क्राइम ब्रांच की एसआईटी अब तक लॉरेंस गैंग से जुड़े कई आरोपियों से जेल में पूछताछ कर चुकी है, वहीं कुछ संदिग्धों को अलग-अलग जिलों से गिरफ्तार भी किया गया है। जांच के दौरान कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने पहले राजपाल और राहुल बाबा को पकड़ा था। राहुल बाबा के मोबाइल नंबरों की जांच में अहमदाबाद निवासी धमेन्द्र झाला का नाम सामने आया। जानकारी के मुताबिक धमेन्द्र झाला भाजपा से जुड़ा हुआ है और संगठन में उसे पद भी मिला हुआ है। एसआईटी की टीम इसी कड़ी में उससे पूछताछ करने अहमदाबाद पहुंची थी। सूत्रों के अनुसार पूछताछ में धमेन्द्र ने राहुल बाबा से संपर्क होने की बात स्वीकार की है। वहीं जांच एजेंसियों को यह भी जानकारी मिली है कि उसका संपर्क लॉरेंस बिश्नोई गैंग से भी रहा है। फिलहाल उसकी गिरफ्तारी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है, लेकिन एसआईटी जल्द पूरे मामले का खुलासा कर सकती है।

ज्योतिषीय/अनुष्ठानिक
सलाह -मार्गदर्शन हेतु सम्पर्क करें
"एक सलाहकार और शुभचिंतक"
।। बाबापण्डित ।।
(अनुष्ठानिक कार्य एवं हरिकथा प्रेमी)
आपकी परिस्थितियों को समझते हुए मेरी एक अनुष्ठानिक प्रयोग की सलाह आपकी पीड़ा / समस्या के समाधान में सहायक हो सकती है।
- कतिपय अनुष्ठान प्रयोग -
एक दिवसीय महागणपति एवं आदिदेवभास्कर अभिसिंचन अनुष्ठान
एकदिवसीय अष्टमहालक्ष्मी विनायक अनुष्ठान
एकदिवसीय महादेवरुद्र स्तवन अनुष्ठान
एकदिवसीय हनुमंतवंदन- वाल्मीक सुंदरकांड अनुष्ठान
त्रिदिवसीय सत्यनारायण पूजनकथा - हरिकथा अनुष्ठान
इसके अन्यत्र यजमान की समस्या की भूमिका एवं प्रकृतिनुसार अन्य वैदिक/शास्त्रोक्त अनुष्ठानों का भी प्रयोग समस्या निवारण में किया जा सकता है।
कृपया अपनी जिज्ञासा/समाधान हेतु संपर्क करे।
Email - babapandit.in@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक